बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -02- 11-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -15 शिष्टाचार नामक शीर्षक के बारे में अध्ययन करेंगे ।

शिष्टाचार' दो शब्दों के मेल से बना हुआ है-शिष्ट + आचार। शिष्ट का अर्थ हुआ- अच्छा, और आचार का अर्थ होता है -व्यवहार तो शिष्टाचार का अर्थ हुआ- अच्छा व्यवहार। हम सब सभ्य समाज के अंग हैं। सभ्य समाज में शिष्टाचार के कुछ नियम होते हैं। शायद आप भी इन नियमों से परिचित हों, लेकिन फिर भी इनकी चर्चा जरूरी है।

पहला नियम है-विनम्रता।

हमारी वाणी और व्यवहार में विनम्रता होनी चाहिए।

ऊँची आवाज में लट्ठमार भाषा का प्रयोग करते हुए बात करना अशिष्टता है। किसी की बात का उत्तर मीठी आवाज में भाषा के अच्छे शब्दों का प्रयोग करके देना चाहिए।

जब कोई बड़ा बुलाए, तो 'हाँ, 'नहीं' न कहकर 'जी हाँ' या 'जी नहीं' करना चाहिए। केवल बड़ों से ही नहीं, बल्कि बराबरवालों और छोटों से भी विनम्र व्यवहार करना चाहिए।

आपकी वाणी में सच्ची मिठास होनी चाहिए। ठहाका लगाकर हँसना या जोर-जोर से बोलना अच्छा व्यवहार नहीं समझा जाता। जब कोई अपने से बड़ा या बुजुर्ग व्यक्ति मिले तो झुककर उसका अभिवादन करना चाहिए। घर आए अतिथि का स्वागत प्रसन्नतापूर्वक करना चाहिए।

आए हुए व्यक्ति को बिठाकर ही बैठना चाहिए। बड़े व्यक्ति के लिए घर या गाड़ी का दरवाजा खोलना शिष्टाचार है। बस या रेलगाड़ी में किसी महिला, बीमार वृद्ध व्यक्ति को अपनी सीट दे देना शिष्टाचार की निशानी है।

अन्य भाषाओं से आए नए शब्द :

शिष्टाचार, डॉक्टर, आवाज, निखारी

अश्यास

1.

प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) शिष्टाचार' किन दो शब्दों से मिलकर बना है?

(ख) किन निजी बातों से संबंधित प्रश्न नहीं पूछने चाहिए?